विधान परिषद् के तृतीय सत्र, 2024 के प्रथम गुरूवार के लिये निर्धारित श्री ध्रुव कुमार त्रिपाठी, मा० सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछे गये तारांकित प्रश्न संख्या-9 का उत्तर।

प्रश्न — **उत्तर**

9 (क) क्या बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बतायेंगे कि जनपद-सिद्धार्थनगर के क्षेत्र पंचायत खेसरहा एवं उस्का बाजार में दिनांक 01 अप्रैल, 2023 से 31 अगस्त, 2024 तक कुपोषित बच्चों (शिशुओं) की संख्या कितनी है?

जनपद सिद्धार्थनगर के क्षेत्र पंचायत खेसरहा एवं उसका बाजार में कुपोषित बच्चों की संख्या निम्नवत है-

माह	क्षेत्र पंचायत खेसरहा		क्षेत्र पंचायत उसका बाजार	
वर्ष	गम्भीर तीव्र कुपोषण	मध्यम तीव्र कुपोषण	गम्भीर तीव्र कुपोषण	मध्यम तीव्र कुपोषण
अप्रैल, 2023	1021	3860	605	2372
31 अगस्त, 2024	676	2952	284	1715

(ख) किन-किन पोषक तत्वों की कमी से बच्चे कुपोषित हो रहे हैं?

इण्टीग्रेटेड न्यूट्रीशन एजूकेशन (फूड एण्ड न्यूट्रीशन बोर्ड) के अनुसार बच्चों में कुपोषण निम्न पोषक तत्थी की कमी के कारण होता है-

प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, आयरन, कैल्शियम, विटामिन आदि।

(ग) कुपोषित बच्चों (शिशुओं) को कुपोषण से बचाने के लिए शासन द्वारा किये जा रहे उपायों से प्राप्त उपलब्धि का विवरण सदन की मेज पर रखेंगे?

विभाग द्वारा वर्तमान में लगभग 2.15 करोड़ लाभार्थियों को विभाग सेवाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। बच्चों एवं महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार हेतु विभिन्न प्रयास किये जा रहे है, जिसका विवरण निम्नवत् है-

<u>अनुपूरक पुष्टाहार कार्यकम</u>

बच्चों एवं महिलाओं को कैलोरी व प्रोटीन संबंधी पोषण आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रतिमाह निर्धारित मात्रा में अनुपूरक पुष्टाहार

उपलब्ध कराया जा रहा है। विभाग द्वारा वर्तमान में लगभग 1.83 करोड़ बच्चों को अनुपूरक पुष्टाहार से लाभान्वित किया जा रहा है।

<u>ग्रोथ मानीटरिंग डिवाइसेज</u>

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर लाभार्थियों के पोषण स्तर के सही चिन्हांकन एवं नियमित वृद्धि निगरानी हेतु 04 प्रकार की ग्रोथ मानीटरिग डिवाइसेज यथा-इनफेन्टोमीटर, स्टेडियोमीटर चाइल्ड वेडंग स्केल व एडल्ड वेड्ंग स्केल उपलब्ध करायी गयी है, जिसके माध्यम से नियमित वजन एवं माप का अंकन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित 'पोषण ट्रैकर' पर किया जा रहा है।

<u>सम्भव अभियान</u>

बच्चों के पोषण स्तर का चिन्हांकन एवं आवश्यकतानुसार उपचार हेतु संदर्भन तथा पोषण सम्बन्धी व्यवहार परिवर्तन के लिए विभाग द्वारा सम्भव अभियान माह जुलाई से सितम्बर के मध्य आयोजित किया जाता है।

<u>पोषण पाठशाला</u>

विभाग के लाभार्थियों व जनमानस में पोषण सम्बन्धी जागरुकता हेतु विभाग द्वारा पोषण पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है। शीघ्र स्तनपान, केवल स्तनपान तथा पूरक आहार विषय पर वेब कास्ट के माध्यम से अब तक 04 पोषण पाठशालायें आयोजित की गयी है।

<u>समुदाय आधारित गतिविधियों का आयोजन</u>

वर्ष 2018 से पोषण अभियान के अन्तर्गत बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु आंगनबाडी

केन्द्रों पर प्रतिमाह समुदाय आधारित गतिविधियों यथा-अन्नप्राशन, गोदभराई, सुपोषण दिवस, वॉश डे, वजन दिवस आदि का आयोजन किया जाता है।

<u>पोषण माह व पोषण पखवाड़ा का आयोजन</u>

सामुदायिक जन सहभागिता व पोषण के प्रति जन जागरूकता हेतु वर्ष 2018 से प्रति वर्ष सितम्बर माह में पोषण माह व मार्च माह में पोषण पखवाड़ा आयोजित किया जाता है।

<u>उत्तर प्रदेश में NFHS-5 के आंकडों में सुधार-</u>

कुपोषण के सूचकांक हेतु NFHS में 05 वर्ष तक की आयु के बच्चों में बौनापन (Stunting), अल्प वजन (Under Weight) एवं सूखापन (Wasting) की व्यापकता के सम्बन्ध में प्रदेश में NFHS-4 (2015-16) की तुलना में NFHS-5 (2019-21) निम्न सुधार हुआ है:-

Indicater% में	NFHS-4	NFHS-5	सुधार
बौनापन	46.3	39.7	6.6
अल्प वजन	39.5	32.1	7.4
सूखापन	17.9	17.3	0.6

बेबी रानी मौर्य

मंत्री